के लिए खतरा है तो हमको अपनी प्रियारिटीज़ बदलनी चाहिए, सबसे पहले ट्रेक को रिन्यू करना चाहिए।

†[شری سکندر بخت: میں بہت سیدھی
بات کر رہا ہوں - کم ہو رہے ہیں زیادہ ہو
رہے ہیں - اسکی بحث نہیں ہے - اور ایسے
لجو اگر واقعی یہ ہے کہ ٹریک رینیول کا نہ ہونا
انسانی زندگی کیلئے خطرہ ہے - تو ہم کو اپنی
پریاریٹیز بدلنی چاہیئیں - سب سے پہلے ٹریک
کو رینیو کرنا چاہیئے -]

श्री राम विलास पासवान: बख्त साहब, मैं आपसे बिल्कुल सहमत हूं। मैं वही कह रहा हूं कि अगर हमको रेलवे को चुस्त-दूरुस्त करना है तो ट्रेक का भी हमें बिल्कुल रिन्यूअल करना पड़ेगा और ट्रेक रिन्यूअल के साथ-साथ जो ओवर ऐज डिब्बे हैं, उनको भी बदलना पड़ेगा। मैंने कहा है कि जो रख-रखाव है, डिब्बे भी ओवर ऐज हैं, 30 परसैंट जो हमारे मीटर गेज के डिब्बे है और 10 से 15 परसैंट जो सुपर फास्ट ट्रेन्स हैं, जो राजधानी और शताब्दी जैसी गाड़ियां हैं, इन गाड़ियों के डिब्बे भी ओवर ऐज हैं, जिनको हमें नहीं लगाना चाहिए। लेकिन यदि हम इन 30 और 10, 40 परसैंट डिब्बों को हटा देंगे तो हमको एक तिहाई गाड़ियों को तुरंत बंद करना पड़ेगा। अगर हम एक तिहाई गाड़ियों को बंद करेंगे तो चारों तरफ हाहाकार मचेगा क्योंकि रोज़ नई गाड़ियों की मांग हो रही है। इसलिए लाचारी में हमको उनको लगाना पड़ता है और उसके कारण एक्सीडेंट होता है। जो बात आप कह रहे हैं उससे मैं बिल्कुल सहमत हूं लेकिन हमारे सामने कोई चारा भी नहीं है। सारे के सारे ट्रेक का, हम सदन में आश्वासन दे दें, रिन्यूअल हो जाएगा या सारे के सारे ओवर ऐज डिब्बे जो हैं, उनकी जगह हम नए डिब्बे लगा देंगे, यह एक मुश्किल काम है।

*222. *[The questioner (Shri Anantray Devshankar Dave) was absent. For answer, vide cal.* 28 *infra].*

*223. *[The questioners (Shri Satish Pradhan and Vayalar Ravi) were absent For answer, vide col, 29 infra.]*

MR. CHAIRMAN: Question No. 224.

Electrification of Vijayawada—Visakhapatnam Rail Line

*224. DR. ALLADI P. RAJKUMAR:
DR. Y. LAKSHMI PRASAD:†

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether the electrification work has been undertaken between Vijayawada & Visakhapatnam; and

(b) if so, by when the work is likely to be completed?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज): (क) जी हाँ।

(ख) विजयबाड़ा से विशाखापत्तनम तक के समूचे खंड के विद्युतीकरण के कार्य को मार्च 1997 तक पूरा किए जाने का लक्ष्य है।

SHRI YERRA NARAYANASWAMY: Mr. Chairman. Sir, in the South Central Railway Coromandal Railway line between Vijayawada and Visakhapatnam, electrification is going on. I visited one or two spots myself and found that the electrification work which is going on there, is substandard. At the same time, 1 would like to inform you that the track between Rajahmundry and Vijayawada is very weak and derailments are taking place frequently. Every year near Nidadavolu, which is a junction, derailments are taking place frequently. Recently, a train carrying petroleum products from Vijayawada to Hyderabad derailed at Nidadavolu, hitting the cabin and a big fire broke out there. In spite of repeated derailments, the Railways have not taken any steps to remedy the situation. I would like to know from the hon. Minister what particular action he is going to take to avoid frequent derailments.

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): सभापति महोदय, माननीय सदस्य ने शिकायत की है कि विद्युतीकरण में सब-सटैंडर्ड मैटीरियल का प्रयोग किया जा रहा है। मैं माननीय सदस्य को विश्वास दिलाता हूं कि

---

† [] Translation in Arabic Script

† The question was actually asked on the floor of the Mouse by Dr. Y. Lakshmi Prasad.

मैं तुरंत इसकी जांच कराऊंगा और यदि सब-स्टैंडर्ड मैटीरियल का उपयोग किया गया होगा तो दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

डा. वाई. लक्ष्मी प्रसाद: सभापति महोदय, मंत्री महोदय ने आश्वासन दिया है कि आंध्र प्रदेश में जो रेलमार्ग है विजयवाड़ा से लेकर विशाखापटनम तक, उसका विद्युतीकरण निश्चित अवधि में पूरा किया जाएगा। इसके लिए मैं मंत्री महोदय को धन्यवाद देता हूं। महोदय, इस प्रोजेक्ट की लागत 188 करोड़ रुपए है, जिसमें से 150 करोड़ की राशि अभी तक खर्च की गई है और 50 करोड़ खर्च करना बाकी है। हमें पता चला है कि वित्त मंत्रालय निधि की कमी के कारण इस 50 करोड़ को रिलीज़ करने में प्रतिबंध लगा रहा है, इसलिए इस काम में देरी होने की संभावना है। क्या यह सच है?

श्री राम विलास पासवान: सभापति महोदय, हमने लक्ष्य रखा है कि हम मार्च, 1997 तक इसको पूरा कर देंगे। चाहे जैसे भी हो, हम उसे पूरा करेंगे, उसमें पैसे की कमी का कोई सवाल नहीं उठेगा।

डा. वाई. लक्ष्मी प्रसाद: महोदय, विजयवाड़ा से विशाखापटनम के रेलमार्ग में जो सामलकोटा से काकीनाड़ा की सब-लाईन है, मंत्री जी ने उसे भी ले लिया है, इसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं। उसमें आगे एक सब-लाईन है-विजयवाड़ा से गुड़िवाड़ा, भीमवरम, जो आगे निड्दवोलु में ट्रंक लाईन से मिलती है। हर वर्ष बाढ़ और तूफान के कारण उस ट्रंक लाईन पर रेल सर्विस में बाधा पड़ती है। इसलिए इस सब-लाईन का उपयोग किया जाता है। क्या इसके विद्युतीकरण पर भी मंत्री महोदय विचार करेंगे?

श्री राम विलास पासवान: यह विद्युतीकरण का जो सवाल है, यह दो चीजों पर निर्भर करता है। एक तो यह कि उसकी कितनी आवश्यकता है और कौन-कौन से क्षेत्र प्रॉयोरिटी के सैक्टर में आते हैं। अगर आप देखें तो दिल्ली से मद्रास तक का इलेक्ट्रिफिकेशन हमारी टॉप प्रॉयोरिटी में था, उसका विद्युतीकरण हो गया। उसी तरीके से दिल्ली से लेकर अम्बाला तक का है, यह टॉप प्रॉयोरिटी में था, यह भी हो गया है। दिल्ली से कलकत्ता तक का विद्युतीकरण भी हो गया है। अब कलकत्ता से मद्रास और बंबई से मद्रास, यह टॉप प्रॉयोरिटी में है। कलकत्ता से मद्रास तक की लाईन के विद्युतीकरण का जहां तक सवाल है, इसमें खड़गपुर से लेकर विशाखापटनम के बीच का काम बचा हुआ है। उसी तरह से बंबई से मद्रास के बीच में पूना से लेकर रेनीगुण्टा तक का काम बचा हुआ है। यह हमारी प्रॉयोरिटी लिस्ट में है और इसे हम जल्दी ही पूरा करेंगे। चूंकि हम देश को एक सूत्र में बांधना चाहते हैं, इसलिए हम स्वयं इस बात को देखते हैं कि हमारी प्रॉयोरिटी लिस्ट में जो काम है, उनको हम पहले पूरा करें।

जहां तक डिरेलमेंट का सवाल है, यह इस क्वेश्चन से नहीं उठता है। लेकिन माननीय सदस्य ने स्थान का नाम दिया है। प्रोसीडिंग में देख करके मैं उसकी जांच करवाउंगा और चैक करवाउंगा कि उस डिरेलमेंट के क्या कारण हैं और जो माननीय सदस्य ने बताया, क्या वह कारण है और उसके लिए क्या किया जा सकता है।

श्री नरेश यादव: धन्यवाद महोदय। मैं आपके माध्यम से माननीय रेल मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या विद्युतीकरण परियोजना में पटना से लेकर आसनसोल तक जो मुगलसराय को जोड़ता है, वह भी आपने अपनी परियोजना में ली है। अगर हां, तो आप इसको कब तक पूरा करने का विचार रखते हैं?

श्री राम विलास पासवान: यह हमारी योजना में है। लेकिन कब तक पूरा किया जाएगा, इसके बारे में मैं माननीय सदस्य को लिख कर के बतला दूंगा।

श्री संजय निरूपम: सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से मुम्बई की लोकल ट्रेनों के बारे में एक सवाल पूछना चाहूंगा। लोकल ट्रेनें मुम्बई की जान है और पिछले दो सालों से यह जान खतरे में है क्योंकि न तो आज अवेलेबल ट्रैक्स और नम्बर आफ ट्रेन्स हैं, वह पर्याप्त है और न ही वहां ट्रेनें टाईम पर चलती है। पिछले दिनों जब मंत्री बनने के बाद पासवानजी वहां गए थे तो उन्होंने बहुत सारी घोषणाएं की थी कि नई लोकल ट्रेनें वहां शुरू की जाएंगी। तो पहला सवाल यह है कि उन घोषणाओं का क्या हुआ? दूसरा सवाल यह है कि मुम्बई में डबल डैकर चलाने का प्रस्ताव था। तो इस पर कब तक कार्रवाई होगी। धन्यवाद।

श्री राम विलास पासवान: सभापति जी, उससे यह सवाल तो उत्पन्न नहीं होता है। लेकिन मैं माननीय सदस्य को यह बतलाना चाहता हूं कि मुम्बई में जो मैंने घोषणाएं की थी, मैंने एक-एक करके सबको, अधिकांश को पूरा किया है। इसमें पार्टी वगैरह की भी कोई बात नहीं है। यहां तक कि वहां के चीफ मिनिस्टर से दो दिन पहले भी हमारे रेल के अधिकारियों के साथ बातचीत हुई है। मेंबर आफ पार्लियामेंट से हम लोग बातचीत कर रहे हैं और मैं समझता हूं कि वहां की सरकारें, मेंबर आफ पार्लियामेंट तथा जिन लोगों से वहां की समस्याओं का संबंध है, उसकी प्रगति के संबंध में सारे के सारे लोग सैटिस्फाइड हैं। किसी बिन्दु के ऊपर माननीय सदस्य को यह जानकारी हो या उनकी नॉलिज में हो कि यह हमने घोषण की थी और उसमें प्रगति नहीं हुई है या वह संतोषजनक नहीं है तो माननीय सदस्य हमको लिखकर दे दें। मैं इमीडिएट उसमें कार्रवाई करूंगा।

श्री संजय निरूपम: अपने कुछ नई ट्रेनें शुरू करने की बात की थी। लेकिन नई ट्रेने शुरू करने के बजाय पुरानी ट्रेनों में कुछ डिब्बे और जोड़ दिए गए हैं।

श्री राजनाथ सिंह 'सूर्य': माननीय रेल मंत्री जी ने बताया कि किन-किन लाईनों पर विद्युतिकरण करने को प्राथमिकता दी जा रही है। देश का सबसे बड़ा राज्य उत्तर प्रदेश है। उसकी राजधानी लखनऊ है और जिस राज्य से माननीय मंत्री जी आते हैं उसकी राजधानी पटना है। इसकी दिल्ली से सीधा विद्युतिकरण करने की कोई योजना विचाराधीन है या नहीं, यह जानकारी देने का कष्ट करें।

श्री राम विलास पासवान: मैं यह सूचना माननीय सदस्य को लिख कर बतला दूंगा।

Newsitem Captioned "Airlines vexed by Pollution Tax Move"

*225. SHRI KRISHNA KUAMR BIRLA: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether Goverment's attention has been drawn towards the newsitem captioned "Airlines vexed by pollution tax move", as reported in the "Economic Times", dated the 3rd September, 1996;

(b) if so, whether pollution in the atmosphere is increasing;

(c) whether planes of various airlines are the major pollution creators in the atmosphere; and

(d) if so, the steps Government propsoe to take to check pollution caused by planes in the atmosphere?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन जयनारायण प्रसाद निषाद): (क) और (ख) जी, हां।

(ग) जी, नहीं। वायुयान वातावरण प्रदूषण के प्रमुख स्रोत नहीं हैं। वातावरण प्रदूषण के अन्य कई स्रोत हैं जिनमें उद्योग, ताप विद्युत संयंत्र, वाहन आदि शामिल हैं।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

SHRI KRISHNA KUAMR BIRLA: Sir, let the Minister read out the answer.

कैप्टन जय नारायण प्रसाद निषाद: सर,

(क) और (ख) जी, हां।

(ग) जी, नहीं, वायुयान वातावरण प्रदूषण के प्रमुख स्रोत नहीं हैं। वातावरण प्रदूषण के अन्य कई स्रोत हैं जिनमें उद्योग, ताप विद्युत संयंत्र, वाहन आदि शामिल हैं।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Sir, I don't have any supplementary.

MR. CHAIRMAN: No supplementary!

SHRI KRISHNA KUAMR BIRLA: Sir, I am satisfied with the answer.

*226. *[The questioners (Shri V. Rajeshwar Rao and Dr. Shrikant Ramchandra Jichar) were absent for answer vide col. 30 infra.]*

Development of Animal Husbandry and Dairying in the North-East

*227. SHRI PARAG CHALIHA: Will the Minister of ANIMAL HUSBANDRY AND DAIRYING be pleased to state the details of the steps/projects undertaken by Govemment for the development of dairies and animal husbandry in Assam and other States of the North-East Region during the preceding three years and the current year?

पशुपालन और डेयरी विभाग के राज्य मंत्री (डा॰ रघुवंश प्रसाद सिंह): पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र के अन्य राज्यों में पशुपालन और डेयरी के विकास के लिए सरकार द्वारा चलाई गई परियोजनाओं/योजनाओं की सूची संलग्न विवरण पर दी गई है।

विवरण

आठवीं योजना के दौरान पशुपालन एवं डेयरी के विकास के लिए क्रियान्वित परियोजनाओं/योजनाओं की सूची

पशुपालन

केन्द्रीय रूप से प्रायोजित योजनाएं

1. हिमित वीर्य प्रौद्योगिकी तथा संतति परीक्षण कार्यक्रम का विस्तार।
2. आहार तथा चारा विकास के लिए राज्यों को सहायता।
3. राष्ट्रीय पशुप्लेग उन्मूलन परियोजना।
4. पशुरोग नियंत्रण के लिए राज्यों को सहायता।
5. व्यावसायिक कार्यकुशलता विकास।